पाठ - 3
जिन चीज़ों से रोज़ा टूट जाता है

الدرس الثالث - هندي
مفسدات الصوم

1. जान बूझ कर खाना और पीनाः भूल से खाने या पीने से रोजा नहीं टूटता है क्यों कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है

مَنْ نَسِيَ وَهُوَ صَائِمٌ، فَأَكَلَ أَوْ شَرِبَ، فَلْيُتِمَّ صَوْمَهُ،

जो रोज़े की हालत में भूलकर खा पी ले तो उसे चाहिए कि वह अपने रोज़े को पूरा करे (सही मुस्लिम 1155)

इसी तरह नाक के रास्ते पेट में पानी पहुंचे, या रग के द्वारा खाने के पदार्थों को लेने या खून चढ़ाने से रोज़ा टूट जायेगा, क्योंकि यह रोज़ेदार को खाना देने के समान है।

2. संभोगः जब रोज़ेदार संभोग करेगा तो उसका रोज़ा ख़राब हो जायेगा। और उस पर कफ़्फ़ारा के साथ क़ज़ा होगी। उसका कफ़्फ़ारा यह है कि एक गर्दन आज़ाद कराये। यदि उसकी शक्ति न हो तो लगातार दो महीनों के रोज़े रखे। और किसी शरई कारण, जैसे ईदैन और तशरीक़ के दिनों में, या बीमार हो जाए, या रोज़ा छोड़ने की नीयत के बिना किसी दूसरे कारण से इन दिनों में रोज़ा न छोड़े।

यदि बिना शरई उज़्र के एक दिन भी रोज़ा छोड़ेगा तो उसपर नये सिरे से रोज़ा रखना ज़रूरी हो जाएगा ताकि सिलसिला बरक़रार रहे। यदि वह लगातार दो महीने का रोज़ा नहीं रख सकता है तो फिर 60 मिस्कीनों को खाना खिलाए।

3. इंसान जानबूझ कर ऐसी हरकत करे, या चुम्बन आदि ले, जिसकी वजह से मणि निकल आए तो ऐसी स्थिति में रोज़ा ख़राब हो जाता है और कफ़्फ़ारा के बिना उसकी क़ज़ा वाजिब होगी, अलबत्ता केवल रतूबत ख़ारिज होने पर रोज़ा फ़ासिद नहीं होता।

4. इंजक्शन के ज़रिया रक्तदान करने से रोज़ा फासिद नहीं होता है। इसी तरह नक्सीर, घाव या दांत गिरने की स्थिति में अनायास ही खून बहने लगे, तो रोज़ा ख़राब नहीं होगा

5. जानबूझ कर उल्टी करने से रोज़ा टूट जाता है। अलबत्ता यदि अकस्मात उल्टी हो जाए तो उसमें कोई हर्ज नहीं है ।

रोज़ा तोड़ने वाली उन चीज़ों से रोज़ेदार का रोज़ा, उसी स्थिति में टूटेगा जबकि उसने इनका इस्तेमाल जान बूझ कर किया हो। उसे याद हो और जानते बूझते अंजाम दिया हो यदि वह इन चीज़ों के शरई आदेश से अवगत न हो, जैसे वह समझता हो कि फ़ज्र का समय नहीं हुआ है, या उसके विचार में सूरज डूब चुका है, और खा पी ले तो इन अवस्थाओं में रोज़ा नहीं टूटेगा इसी तरह से यदि भूल गया हो तो उसका रोज़ा सही होगा

रोज़ा तोड़ने वाली चीज़ के इस्तेमाल के समय उसे अख्तियार हो, यदि उसे मजबूर किया गया हो तो उसका रोज़ा सही होगा। और उसपर कज़ा वाजिब नहीं होगी।

6. रोज़ा को खराब करने वाली चीज़ों में माहवारी या नफ़ास का खून भी शामिल है। जब औरत खून देखेगी तो उसका रोज़ा टूट जायेगा। उसी तरह जब महिला माहवारी की अवस्था में हो तो उसपर रोज़ा रखना हराम है। अलबत्ता जितने दिनों का रोज़ा छोड़ा होगा, वह रमज़ान के बाद उतने दिनों की क़ज़ा करेगी।